भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 489 का उत्तर

बिलासपुर मण्डल में नई रेलवे लाइनें

489. श्री चिन्तामणि महाराज:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मण्डल द्वारा नई रेलवे लाइनों हेतु अंतिम स्थान के लिए किए गए सर्वेक्षण की वर्तमान स्थिति और तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या रेलवे ने उक्त अवधि के दौरान नई रेलवे लाइन बिछाने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त लक्ष्यों को किस प्रकार हासिल किया गया है; और

(ग) रेलवे द्वारा अंबिकापुर से गुजरने वाली सर्वेक्षण की गई रेलवे लाइनों की मंजूरी के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): अंबिकापुर से संपर्कता में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित सर्वेक्षण/कार्य स्वीकृत किए गए हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कि.मी.	स्थिति
1	बोरिडांड-अंबिकापुर (सुरजपुर) दोहरीकरण	80	कार्य शुरू कर दिया गया है।

2	अंबिकापुर-रामानुजगंज-बरवाडीह नई लाइन और रामानुजगंज से गढ़वा रोड तक सहायक लाइन	262	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।
3	सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर नई लाइन	218	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।

छत्तीसगढ़

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों हेतु बजट आबंटन का विवरण निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	311 करोड़ रु./प्रति वर्ष
2025-26	6,925 करोड़ रु. (22 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली नए रेलपथ के कमीशन होने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन की गई लंबाई	कमीशन की गई औसत लंबाई
2009-14	32 कि.मी.	6.4 किमी/वर्ष
2014-25	1189 कि.मी.	108.1 किमी/वर्ष (15 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 31,619 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 1,931 किलोमीटर लंबाई की 26 रेल परियोजनाएं (06 नई लाइन और 20 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से मार्च, 2025 तक 1023 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 16,325 करोड़ रुपए का व्यय

किया गया है। कार्य की संक्षिप्त स्थिति निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/ आमान परिवर्तन/ दोहरीकरण (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	6	609	184	6154
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	20	1323	839	10171
कुल	26	1931	1023	16325

पिछले 3 वर्षों अर्थात् (2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2025-26) में, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अंबिकापुर सहित 3901 कि.मी. लंबी नई रेल लाइन के 26 सर्वेक्षणों को स्वीकृत किया गया है।

किसी भी रेल परियोजना की मंजूरी कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम मील कनेक्टिविटी
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- भीड़-भाड़ वाली/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/सार्वजनिक प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगे
- रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की कुल उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी मंजूरी**
- **बाधक जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ**
- **क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थिति**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजना(ओं) के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******